

DPN 6212 प्यपु स्तोत्र

Title : १. शनैश्चर स्तोत्र २. देवी कवच
३. दुर्गा शतनाम ४. भवानी शंकराष्टक

1. ŚĀNAISĀCĀRA STOTRA 2. DEVĪ
KAVACA 3. DURGĀ ŚĀTANĀMA
4. BHAVĀNĪ ŚAÑKARĀṢṬAKA

Run. No. 6903

Cat. No.

Micro. No.

Subject स्तोत्र / stotra

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 56 X 46.5

Folios 1

Lines (in a page) 70

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator ४. शंकराचार्य

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon : श्री ३ कृष्णाय नमो नमः ॥ ॐ नमः शनैश्चराय नमः ॥

- ① इति श्रीस्कन्दपुराणे शनैश्चरस्तोत्रं समाप्तं ॥ ② इति श्रीमार्कण्डेयपुराणे भावार्णवके
मन्वन्तरे देवीमाहात्म्या प्रह्लाद (क्त) देव्याः कवचः समाप्तं ॥ ③ इति मार्कण्डेयपुराणे दुर्गाशत
नाम स्तोत्रं समाप्तं ॥ ④ इति शंकराचार्यविरचितं श्रीभवानीशंकराष्टकं समाप्तं ॥

0
CMS
5
10
15
20
25
30

श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ प्रथमं
महोदधेः पद्मेः सवितुः सवितुः सवितुः सवितुः
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २१ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २२ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २३ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २४ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २५ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २६ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २७ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २८ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २९ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ द्वापरायाम् ॥ १ ॥ द्वापरायाम् ॥ १ ॥ द्वापरायाम् ॥ १ ॥
 नृणां भवति विद्या धनं ॥ १ ॥ मया वला किं ना ना ज न ह ॥
 स्यात् ॥ सुव्रतं किं ॥ १ ॥ गुह्यं न वना ज न ह ॥ न य मां यो रथे धया ॥ १ ॥
 बलवृद्धि रदा स्या मिः मनसा य दती यि न ॥ दशमं य उवाच ॥ लो
 हि नि र दयित्वा तुः न गन्तुं त्वया भ न ॥ १० ॥ सति न मागताः याव
 याव ० याव बुद्धि क्र म दिनी ॥ या रि न क मयाः सो ष नान्य मिद्धा
 मि न व न ॥ ११ ॥ प्र व म मु ग नि प्रा ह व न दत्ता तु भ ग्व न ॥ पु न न
 प्र व वी तु श्वा त्र व न से प्र न ॥ १० ॥ स प्रा य न द्व न राजाः कु न
 कृ त्वा त्व त्वा दा ॥ या र्थ या मा स द्वा श्वा ना व न म न्य ग नि न द्या
 ॥ १२ ॥ भ नि ग्व न वा र ॥ द्वा द श धि न्दु र्द रि कि र वि य नि क द च ना
 कि रि न य मयी या तु ग्रे ला कृ पि र लि वि य नि ॥ १२ ॥ प्र व व न
 तु स द्या य श्वा मा र या र्थ व ॥ तथा य रि ध नं ० स्मा द्याः त्व त्वा ये व
 कु ना ॥ लि ॥ १३ ॥ श्वा त्वा स न स्व नी दे विः ग भ ना ध वि ना य कं ॥ राजा
 द म नं थ मां प्रः सो रे त्रि द म थ क रा ॥ १४ ॥ न मः कु य नी ला य मि
 त्रि क ० नि रा य रा न मा नी ल म य र वा यः नी ला त्वा ल नि रा य रा ॥ १३ ॥
 न मा मि मी स द हा य दी ध म श्वा ना य रा ॥ न मा वि भ ल न य रा य ० स्मा
 व न र या न भ ॥ १५ ॥ न मः य र य ग भ ज यः कु ल रा मा य व न म श्वा न
 मा दी द्या य शु क्वा यः का ल द द न मा मु ने ॥ १६ ॥ न मः का ट ला द्या य
 दु वि री का य व न म श्वा न मा द्या ना य री द्या य ती व ध म य क ना लि ना ॥ १७ ॥
 न मः स र्व सृ श्वा यः व लि मू र व न मा मु ने ॥ न मा म द ग न नि र्वा नि
 मि श्म य न मा न म श्वा ॥ १८ ॥ श्वा त्वा य न म मु र्वा र स्मा द्या य न मा मु ने ॥
 सूर्य य प्र न मः मुः ला क्श ना त्वा द्या य रा ॥ १९ ॥ श्वा द द न मः मुः
 स र्व र्क न मा न म श्वा न म श्वा न म श्वा ॥ का ला गि न द्या य कु ना ना य र्थे न मा
 ॥ २० ॥ न मा न द कु ने तु र्वाः भ न श्वा रा य व न म श्वा न य सा य द्या द हा यः नि र्वा
 या ग न रा य रा ॥ २१ ॥ श्वा न य द्वा र्म मः मुः का स्य या त्म ज स न व का स्य या
 त्म ज स न व ॥ गु ह्य द्या सि ना य श्वाः वृ श्वा वे द र सि कृ ध न ॥ २२ ॥ दे वा
 स न म नृ श्वा यः य शु य कि स्या हि द ॥ त्व या व ला कि ना स र्वः ना ग या
 कि स मू ल न ॥ २३ ॥ वृ क्त ज क्र म न द्या यः म य वा ० स फ ना य का ॥ ना य
 प्र द्या य न की हः त्व द्वा व ला कि ना ॥ २४ ॥ द श म न ग र या मा दी
 पा र्थ व द्वा मा स थ ॥ त्व या व ला कि ना म पि ना ग या कि स म न ग श्वा
 ॥ २५ ॥ प्रा मा दं कृ र म सो षः व ना र्थ हि न व कि न ॥ न क मु त्वा न दा सो
 त्रिः ग द्वा राजा म हा व ला ॥ २६ ॥ अ व वी दी द ल्म वा र्थः दृ श्वा ग व र स्म मि
 ॥ ग नि ग्व न वा रा गु ह्यं न व ना ई द्रः स व ना भ न स व न ॥ २७ ॥ व ल
 वृ ह्नि द्या स्या मिः स वृ य न द्वा न न ना ॥ द श म थ उ वा र ॥ अ श य त्वा नि न
 सो ष पी ण का र्थ न क स्य रि न ॥ २८ ॥ दे वा स न म न द्या र्थः य ० य कि न
 त्रि स्र या श्वा ग नि ग्व न वा र ॥ ग र्थ न्दु य स र्वा या ग र या श ० क ना ०
 सृ नो ॥ २९ ॥ अ द या य व न तु र्वाः गु ह्यं न्दु द्या मि न ॥ त्व या धा क मु
 म स्मा प्र य य रि य नि मा न वा ॥ ३० ॥ न क का लं हि का लं वा पी ण म
 श्वा ना ग स्य वे ॥ दे वा स न म न द्या र्थः सि धि वि द्या ध ना न ग ॥ ३१ ॥ सृ
 र्वा ना न कि ना वा पिः उ त्म पी ण क रा मु य ॥ य ० य न ० य द्या य
 क ० य रि क न स मा हि न ॥ ३२ ॥ स म य य प्र नि मां ले स ज म मा म दि न
 तु वि षा य षः मा प्र न न य ज य ॥ ३३ ॥ य ज यि त्वा म म सो षः तु र्वा ये व
 कु ना ॥ लि ना ग स्य वि दान ये वा र्थः क रि य्वा मि क द्या न ॥ ३४ ॥ ग व ल ज
 न ल ग्व वा द श्म स व द श्म स र्वा ॥ त्व ग मि स ग न क स्यः य जं वा न म य स्य रा
 ॥ ३५ ॥ अ न ने व प्र का र य पी णं म कं ज ग र्वा ॥ व न द य नु स प्रा यः ना रा द
 भ न य स थ ॥ ३६ ॥ न न कु ना थ मा त्मा नं न म सृ त्वा भ न ग्व र ॥ ग नि ना
 श्वा न र्क नः स्व स्मा नं रा ग म न्द ॥ ३७ ॥ स्व स्मा नं स ग ना ग ता या फ
 का माः र व र्द दा ॥ य ० य द्या य र्वा यः व लं मा र्थ मि द य ०

शुः र विद्या निन स सं ५ ॥ ३० ॥ ॐ निष्ठा सुख दुःख विद्या निश्चय माता पुत्र माता का ३२ मम् सद्विद्या ॥

0
CMS
5
10
15
20
25
30
35

॥ या शान्तं कुरु मामेकं ॥ ब्रह्मया मग्निदेवता ॥ १॥ दक्षिणं कुरुवा
हीः नेम्यं स्वर्गं धामिनी ॥ यगीथां वा नृणां नृकः वायथां मृगवाहि
नी ॥ २० ॥ उदी शान्तं कुरु को वानिभमन्यां मूलं धामिनी ॥ उदी वक्र
विमनः कुरु दधस्मा द्वे सुवा गथा ॥ २१ ॥ प्रवदं भविष्यतः कुरुः शम्
धुगववाहना ॥ ज्यामवाग्रस्तुः विजयास्तु पुष्टग ॥ २२ ॥
त्रिजिना वामया ल्युः दक्षिणया यत्रा जिना ॥ जिनामशानिनेन
केः दूमा मूर्द्धि यवस्मिना ॥ २३ ॥ मालाधनी ललाटः पु वामस्थ
भस्मिनी ॥ प्रीमवायु यो मस्थः यमद्यध्व वस्म नासिक ॥ २४ ॥ मंखी
निरदुशामस्थः ॥ अग्रया द्वेनवासिनी ॥ कथा लो कालिका नृक
॥ कर्ण मूल तु भर्ग ककी ॥ २५ ॥ नासिकायां सुगंधायः वदनं स
र्वमंगला ॥ अधनवा मृग कलाः जिह्वां चापि सनस्वना ॥ २६ ॥ द
कात्रक तु कोधरीः कण्ठ मध्य तु यक्षिका ॥ धनुः कां विप्रद्यध्वरः महा
मायारता लके ॥ २७ ॥ कामा रथा विवर्क नृकः द्वारम सर्वमंगला ॥ नी
लया वा वा ककुः नलिकां नल कुवलि ॥ २८ ॥ खड्ग धालिध्व लो स्थः
वा दू भवज धा विधि ॥ हस्ते यदधि नी नृकः दं विकायां गुली मथा ॥
॥ २९ ॥ नखा मूलं ध्वनि नृकः कर्ण मूल तु भर्ग ककी ॥ सुनो नृकं महा देवीः म
नु ॥ भम के विना गिनि ॥ दू दय ललिना देवी ॥ उ म सिंह वाहिनी ॥ ३० ॥ नी
लो रकामिनी नृकः ॥ गुह्यं गुह्यं ध्वनी गथा ॥ ३१ ॥ हनना थाय महुः मु ॥ उ नृ
भमहि वमदिनी ॥ कथां रगवनि देवीः जानू थां विध्व वासिनी ॥ ३२ ॥
जं धन महा वला धानाः सर्व काम प्रदायिनि ॥ गुल्य था नी नृसिंही यः
या दपुष्ट व नृज सी ॥ ३३ ॥ यादां गुली श्री धनी मः यादा धमल
वासिनि ॥ कत्रालि निनखा नृकः ॥ रामं मया दू क सिनी ॥ ३४ ॥ राम दू या
निको वनाः ॥ लंबवा लो ग्वरी गथा ॥ नक मज्जो वमसि नयः ॥ मि भदा सि या वीनी ॥
॥ ३५ ॥ रन्ना धि काला रा ग्रीवः पिण्डं व म् कूटं ग्वरी ॥ यभा वति यद्वका
लाः कुरु रूता मधि मथा ॥ ३६ ॥ काला मूर्खी वसा कालाः मरुद्वा सर्व
सधिय ॥ शुक्र वक्रा धि भन देः ॥ काया दू ग्वरी गथा ॥ ३७ ॥ अहं काल
मना वृद्धिः नृकं भध म् धा विधि ॥ प्राभा या भो गथा धानः मदानं
समानक ॥ ३८ ॥ वज्र हस्त भन देः ॥ प्रार्थ कल्या ण भन ना ॥ न स नृ
यं च र्गंधरः ॥ मधु संधे य धा निनी ॥ ३९ ॥ सर्वनात्र सुमल्य वः नृकं
नायनी गथा ॥ ४० ॥ अयन कुरुवाहीः धर्म नृक तु वस्म वी ॥ ४१ ॥ यम ४ की
रिव लक्ष्मी वः सदा नृक तु वस्म वी ॥ ४२ ॥ लभ्य मिद्रा धि भन देः ॥ यम नृ
क तु यक्षिका ॥ ४३ ॥ यत्रा नृक मसाल क्षीः ॥ लया नृक तु रं वी ॥ मंग
क मं कनी नृकः ॥ विजया सर्व नृक ॥ ४४ ॥ नका ही ननु यस्म नः ॥ वरि
गं क व वन नृ ॥ गत्सर्व नृक मधु वीः ॥ जयनी यापना गिनि ॥ ४५ ॥ लक
म सर्व गवा धिः ॥ दुर्लभं दुर्लभं पिदा विनी ॥ ४६ ॥ नृदं नृदं विद्वेः ग
वरुक्षा मया दिनी ॥ ४७ ॥ सवृत्ति का करिय ध्वः ॥ कवरं सर्व दजय ना
यदभकं नग कुरुः ॥ यदि कुरुवा म् न ॥ ४८ ॥ ४५ ॥ कवरना वृता निर्य
अप्रय या व गि नृ ॥ नृग नृगार्थ ला रं वः ॥ विजयं सर्व कामिक ॥ ४९ ॥
यं यं चि नृयं कामः ॥ नृगं प्रा धा नि निर्मल ॥ यत्र मे ध्व र्थ म पु लः ॥ प्रा धा नि
विपु लं ॥ यम न ॥ ५० ॥ निर्य जय न म र्थः ॥ मं अम वप्रा जिना ॥ नृ लो
अ व रं व रं ॥ कवरं ना व न ॥ यमान ॥ ५१ ॥ ४६ ॥ नृदं नृदं ३ कवरं
वाना मपि कुरु ॥ ५२ ॥ य ४ य १० नृय यो निर्यः ॥ प्री संधं प्रदु या विन
॥ ५३ ॥ दक्षिण लो व रं ॥ यः १० ला कया यत्रा जिना ॥ जि वं व रं ग
साग्रः यम र्थ विव जिना ॥ ५४ ॥ नृध नृध दय ४ सर्व ल ना वि
॥ ५५ ॥ दका देयः ॥ कवरं नृग म् प्रा पिः ॥ कुरु मया यि यद्वि यो ॥ ५६ ॥

[illegible]